पंजाब केसरी
FRI,23 AUGUST 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

शोध किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा का अभिन्न अंग : प्रो. सुदेश

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

गोहाना, 22 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय और जनगणना संचालन निदेशालय, हरियाणा (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित सैंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन में गुरुवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वी.सी. प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्य अतिथि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि शोध किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा का अभिन्न अंग है। उन्होंने शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के निवारण में हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि डाटा का एक विश्वसनीय माध्यम और नए अवसर प्रदान करने में इस वर्क स्टेशन की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने संकाय सदस्यों का आह्वान किया कि वे छात्राओं के वास्तविक कौशल को आगे लाने में भरपूर योगदान दें।

डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। वर्क स्टेशन की इंचार्ज सोनल बेनीवाल ने बताया कि देश भर के चुनिंदा शिक्षण संस्थानों में ही इस प्रकार के वर्क स्टेशन स्थापित किए गए हैं।

ओ.आर.जी.आई. के अधिकारी गुरविंद्र सिंह, स्टैटिस्टिकल इन्वैस्टिगेटर गुरिंद्रपाल सिंह एवं देवेश बंसल ने वर्क स्टेशन की स्थापना के उद्देश्य तथा कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि स्टीयरिंग कमेटी की अनुशंसा उपरांत शोधार्थी इस वर्क स्टेशन की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। इस अवसर पर शोध निदेशक प्रो. विजय नेहरा सहित विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सामाजिक समस्याओं के निवारण में योगदान दें शोधार्थीः कुलपति प्रो सुदेश

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विवि और जनगणना संचालन निदेशालय, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन में बीरवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो सुदेश ने बतौर मुख्य अतिथि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कुलपति प्रो सुदेश ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि शोध किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा का अभिन्न अंग है। उन्होंने शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के निवारण में हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं देते हुए कुलपति ने कहा कि डाटा का एक विश्वसनीय माध्यम प्रदान करने और नए अवसर प्रदान करने में इस वर्क स्टेशन की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने उपस्थित संकाय सदस्यों का आह्वान किया कि वे छात्राओं के वास्तविक कौशल को आगे लाने में भरपूर योगदान दें।

प्रारंभ में स्वागत संबोधन करते हुए डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। वर्क स्टेशन की इंचार्ज सोनल बेनीवाल ने बताया कि देश भर के चुनिंदा शिक्षण संस्थानों में ही इस प्रकार के वर्क स्टेशन स्थापित किए गए हैं। ओ.आर.जी.आई. के अधिकारी गुरविंद्र सिंह, स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर गुरविंदरपाल सिंह एवं देवेश बंसल ने वर्क स्टेशन की स्थापना के उद्देश्य तथा कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्टीयरिंग कमेटी की अनुशंसा उपरांत शोधार्थी इस वर्क स्टेशन की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। इस दौरान शोध निदेशक प्रो विजय नेहरा सहित विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं शोधार्थी मौजूद रहे।

Play / Stop Audio

गुणवत्तापूर्ण शोध के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के निवारण में योगदान दें शोधार्थीः कुलपति प्रो सुदेश

सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित।

Girish Saini Aug 22, 2024 07:35

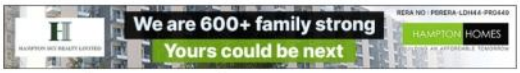

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विवि और जनगणना संचालन निदेशालय, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन में वीरवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो सुदेश ने बतौर मुख्य अतिथि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कुलपति प्रो सुदेश ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि शोध किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा का अभिन्न अंग है। उन्होंने शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के निवारण में हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं देते हुए कुलपति ने कहा कि डाटा का एक विश्वसनीय माध्यम प्रदान करने और नए अवसर प्रदान करने में इस वर्क स्टेशन की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने उपस्थित संकाय सदस्यों का आह्वान किया कि वे छात्राओं के वास्तविक कौशल को आगे लाने में भरपूर योगदान दें।

प्रारंभ में स्वागत संबोधन करते हुए डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। वर्क स्टेशन की इंचार्ज सोनल बेनीवाल ने बताया कि देश भर के चुनिंदा शिक्षण संस्थानों में ही इस प्रकार के वर्क स्टेशन स्थापित किए गए हैं।

ओ.आर.जी.आई. के अधिकारी गुरविंद्र सिंह, स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर गुरविंदरपाल सिंह एवं देवेश बंसल ने वर्क स्टेशन की स्थापना के उद्देश्य तथा कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्टीयरिंग कमेटी की अनुशंसा उपरांत शोधार्थी इस वर्क स्टेशन की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। इस दौरान शोध निदेशक प्रो विजय नेहरा सहित विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं शोधार्थी मौजूद रहे।

Tags: Researchers | solving social problems | quality research

RELATED POSTS

लम्बे गुलामी काल के बावजूद भारत ने अपनी दिव्य सांस्कृतिक...

बीपीएमयू: वाद-विवाद प्रतियोगिता में निकिता व प्रीति ने मारी...

हरियाणा विधानसभा आम चुनाव की अधिसूचना 5 सितंबर को जारी...

COMMENTS

Name

Email

Comment

I'm not a robot

Post Comment

City Air News

POPULAR POSTS

Weekly Posts

US FDA approves updated Covid-19 vaccines against currently...

UN chief hopes PM Modi's visit to Ukraine will help end...

Bangladeshi govt revokes diplomatic passport of ex-PM Hasina

India, US enter into Security of Supply Arrangement

Prez Murmu presents Rashtriya Vigyan Puraskar 2024, 33...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Ludhiana
Rajya Sabha MP Seechewal directs MC, PPCB to impose EC...

(IANS Interview) Lateral entry is akin to talent hunt,...

Examining feasibility of online voting in India

BJP will win elections and form govt in J&K: Ashish Sood...

Lifestyle changes key to prevent rising diabetes, hypertension...

Poor upbringing of boys to be blamed for incidents like...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews . All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

शोध किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा का अभिन्न अंग : प्रो. सुदेश

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश।

गोहाना, 22 अगस्त (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय और जनगणना संचालन निदेशालय, हरियाणा (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन में आज एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्यातिथि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रारंभ में स्वागत संबोधन करते हुए डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला तथा वर्क स्टेशन की इंचार्ज सोनल बेनीवाल ने बताया कि देश भर के चुनिंदा शिक्षण संस्थानों में ही इस प्रकार के वर्क स्टेशन स्थापित किए गए हैं। कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संबोधन में कहा कि शोध किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा का अभिन्न अंग है। इस अवसर पर उन्होंने शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के निवारण में हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उपस्थित संकाय सदस्यों का आह्वान किया कि वे छात्राओं के वास्तविक कौशल को आगे लाने में भरपूर योगदान दें। ओ.आर.जी.आई. के अधिकारी गुरविंद्र सिंह, स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर गुरविंदरपाल सिंह एवं देवेश बंसल ने वर्क स्टेशन की स्थापना के उद्देश्य तथा कार्यप्रणाली की जानकारी दी। इस अवसर पर शोध निदेशक प्रो विजय नेहरा सहित विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक गण एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
23-Aug-2024
Page: 11
http://www.ajitsamachar.com/20240823/27/11/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 23-08-2024 - 23 Aug 2024 - Page 4

शोध किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा का अभिन्न अंग : कुलपति प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां और जनगणना संचालन निदेशालय, हरियाणा (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन में गुरुवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलपति ने कहा कि शोध किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा का अभिन्न अंग है। उन्होंने शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के निवारण में हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उपस्थित संकाय सदस्यों का आह्वान किया कि वे छात्राओं के वास्तविक कौशल को आगे लाने में भरपूर योगदान दें। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। वर्क स्टेशन की इंचार्ज सोनल बेनीवाल ने बताया कि देश भर के चुनिंदा शिक्षण संस्थानों में ही इस प्रकार के वर्क स्टेशन स्थापित किए गए हैं। ओआरजीआई के अधिकारी गुरविंद्र सिंह, स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर गुरविंदरपाल सिंह एवं देवेश बंसल ने बताया कि स्टीयरिंग कमेटी की अनुशंसा उपरांत शोधार्थी इस वर्क स्टेशन की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

गोहाना। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश। फोटो : हरिभूमि

शोध किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा का अभिन्न अंग : प्रो. सुदेश

गोहाना मुद्रिका, 22 अगस्त : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय और जनगणना संचालन निदेशालय, हरियाणा (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन में गुरुवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वी.सी. प्रो सुदेश ने बतौर मुख्य अतिथि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि शोध किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा का अभिन्न अंग है। उन्होंने शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के निवारण में हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि डाटा का एक विश्वसनीय माध्यम प्रदान करने और नए अवसर प्रदान करने में इस वर्क स्टेशन की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने संकाय सदस्यों का आह्वान किया कि वे छात्राओं के वास्तविक कौशल को आगे लाने में भरपूर योगदान दें।

डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। वर्क स्टेशन की इंचार्ज सोनल बेनीवाल ने बताया कि देश भर के चुनिंदा शिक्षण संस्थानों में ही इस प्रकार के वर्क स्टेशन स्थापित किए गए हैं।

ओ.आर.जी.आई. के अधिकारी गुरविंद्र सिंह, स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर गुरिंदर पाल सिंह एवं देवेश बंसल ने वर्क स्टेशन की स्थापना के उद्देश्य तथा कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्टीयरिंग कमेटी की अनुशंसा उपरांत शोधार्थी इस वर्क स्टेशन की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

इस अवसर पर शोध निदेशक प्रो विजय नेहरा सहित विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक गण एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।